ब्रह्माकुमारीझ एवम् अन्नामलाई युनिवर्सीटी द्वारा द्वितीय पदवीदान समारोह अहमदाबाद जेल में

अहमदाबाद - साबरमती सेन्ट्रल जेल में गुजरात की विभिन्न जेलो के बंदीवान भाईओं को मास्टर ऑफ सायन्स (M.Sc.), पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा (P.G. Diploma), एवम् डिप्लोमा - 'मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता' कोर्ष की डीग्री एवम् मेडल एनायत किये गये।

सुख शांति भवन:- अहमदाबाद की ऐतिहासिक साबरमती सेन्ट्रल जेल में ब्रह्माकुमारी संस्था और अन्नामलाई युनिवर्सीटी के द्वारा मास्टर ऑफ सायन्स (M.Sc.), पोस्ट ग्रेज्युएशन डीप्लोमा (P. G. Diploma) एवम् डिप्लोमा मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता के विविध कोर्ष के लिए द्वितीय पदवीदान समारोह आयोजीत किया गया। मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता के इस कोर्ष की परीक्षा में गुजरात राज्य की विभिन्न 7 जेलो में से 79 बंदीवान विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। उन सभी छात्रों को अन्नामलाई युनिवर्सीटी के वाइस चान्सलर श्री प्रो. डॉ. एन. रामनाथन, ब्रह्माकुमारीझ-गुजरात झोन के डायरेक्टर राजयोगिनी सरला दीदी जी, गृह विभाग के अग्रसचिव डॉ. एस. के. नंदा (I.A.S.) के वरद् हस्तो से डीग्री और मेडल एनायत करने का एक शानदार समारोह मनाया गया।

जेलो के इतिहास में और युनिवर्सीटी के इतिहास में संभवतः यह बंदीवानों को जेल के प्रांगण में विभिन्न डिग्री के लिए युनिफोर्म के साथ डीग्री सर्टीफिकेट देने का यह द्वितीय पदवीदान समारोह एक इतिहास बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. एस. के. नंदा (I.A.S.) गृह विभाग के अग्रसचिव, चेयरपर्सन प्रो. डॉ. एम. रामनाथन वाइस चान्सलर अन्नामलाई विश्व विधालय, श्री पी. सी. ठाकुर (I.P.S)-एडीशनल D. G. ऑफ पोलीस एवम् I.G. ऑफ प्रिझन-गुजरात राज्य एवम् राजयोगीनी सरला दीदी-डायरेक्टर-ब्रह्माकुमारीझ गुजरात राज्य, डॉ. एस. विश्वनाथन-डायरेकटर-योगा स्टडी विभाग अन्नामलाई विश्व विधालय ने उपस्थित रह दिप जगा कर विश्व को नई राह दिखाने की रोशनी जगाई।

बंदीवान भाईयों के जीवन में जेल में रह कर नियमित स्वंयम् अभ्यास करके, उनके कलास करके, जेल में परीक्षा देकर, जेल में ही पदवी प्राप्त करने का यह बंदीवान भाईओं के जीवन में आज का प्रसंग अवर्णनीय रुप से यादगार बना रहा। जिनमें M.Sc. पाठयक्रम में 30, P. G. Diploma पाठयक्रम में 11, एवम् डिप्लोमा पाठयक्रम में 38 विधार्थीओंने मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता के पाठयक्रम में पदवी प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ जेल के मुख्य मार्ग पर सुसज्ज बेन्ड बाजा की सुरावलीओं के साथ बहोत ही भव्य मार्च पास्ट से हुआ, जिसमें मंचस्थ महानुभावों, गुजरात राज्य की 23 जेलो के अधिक्षको के साथ साथ उत्तीर्ण हुए 79 बंदीवान विद्यार्थी पदवीदान के युनिफोर्म (ऑनर और रोब) में सुसज्ज थे। यह दृश्य सबके लिये मनोहर और आकर्षक बना। प्रांगण के पंडाल में जेल के अन्य ५०० से अधिक केदी भाई भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अन्नामलाई विश्व विद्यालय के वाईस चान्सलर श्री प्रो. डॉ. एन. रामनाथनजीने अपने अध्ययक्षीय प्रवचन में कहा कि- ब्रह्माकुमारी संस्था यह मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता का कोर्ष करावाकर व्यक्ति को मूल्यों का जीवन महत्व समजा कर इन मूल्यों को व्यवहारीक जीवन में अपनाने का अनुरोध किया। भ्राता पी.सी.ठाकुर ने सभी का स्वागत करते कहा कि यह जेल जेल नही किन्तु यह एक परीवार बन गई है। यहाँ परीवार की तरह हर एक की परवरीश की जाती है, जिसमें शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दीया जाता है। गृह विभाग के अग्रसचिव डॉ. एस.के.नंदा (I.A.S.) ने बताया - यहाँ आये हुए व्यक्ति के लिए जेल एक गाँव बन गया है, क्योंकी यहाँ शिक्षा से जुडी प्रवृत्तियाँ इन्हें व्यस्त रख तनाव और दबाव को दूर कर सकती है, जिसका आज यह परीणाम दिखाई देता है कि यहाँ स्थिर मन से पठ कर स्वंयम् का परीवर्तन करने के कदम आगे बढाये है। शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हरीश शुकलाजी नें यह पाठयक्रम का महत्व समझाते हुए कहा की यह कोर्ष हमें आंतरदर्शन कर आने वाले समय के साथ चलने के लिये तैयार करता है, इन्होंने बताया कि I.A.S. का अर्थ I AM SOUL. है। ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय संयोजक डॉ. आर.पी.गुप्ताजी ने उत्तीर्ण विद्यार्थीओं की सराहना करते हुये उन्हें जीवन में मूल्यों और नैतिकता को अपनाने का शपथ दिलाया। आदरणीय सरला दीदीजी ने जेल के सभी पदाधिकारीयों और सभी विद्यार्थीओं को अपने हृदय की शुभकामनायें देते कहा कि-'आज का यह दिन भारत वर्ष के इतिहास में सुवर्ण अक्षरों से लिखा जायेगा। कारागृह के वातावरण में जहाँ तन का बंधन होते हुये अपने मन को सकारात्कता की दिशा में इस पढाई के द्वारा ले जाने का यह एक अवसर परमात्माने दिया है। सचमुच आज यह साबरमती जेल साबरमती आश्रम में आज बदल गई है। उन्होंने विधार्थीयों को यह मूल्यों की शिक्षा को जीवन में अपना कर व्यक्तिगत और सामाजीक विकास करने राजयोग का प्रयोग करने के लिए बताया। यह कार्यक्रम में अन्नामलाई विश्व विद्यालय के योगा विभाग के डायरेक्टर डॉ.विश्वनाथनने भी उपस्थित रह अपनी शुभकामनायें प्रदान की। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यक्रम में 45 से अधिक प्रिन्ट और ईलेकट्रोनिक मीडीयाकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेशनल चेनलों और स्थानीय चेनलों ने साथ में प्रिन्ट मीडीया नें यह खबर को अच्छा कवरेज दिया।